

नई दुनिया



हाकी इंडिया ने ब्रिटेन दौरे के लिए की 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली हाकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम की घोषणा कर दी है। नए मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मुकाबले खेलेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विशेषकर जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

टीम की कप्तानी खैदेम शिलेइमा चानू को सौंपा गई है। गोलकीपर के रूप में निधि और

एंगिल हर्षा रानी मिंज को टीम में शामिल किया गया है।

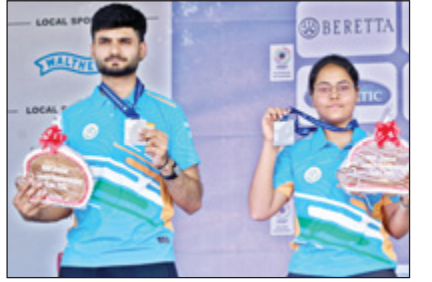
दौरे की शुरुआत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम लिलेशाल राष्ट्रीय खेल केंद्र में अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ मैच खेलेगी। मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट ने टीम चयन और दौरे के महत्व पर कहा, ब्रिटेन दौरा हमारी जूनियर टीम के विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने कई ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें विदेशी

टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव नहीं है। ऐसे में यह दौरा खिलाड़ियों और पूरी टीम दोनों के लिए सीखने का बेहतरीन अवसर होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। पिछले दस सप्ताह से जिस खेल शैली पर हमने काम किया है, उसे मैदान पर लागू करने का प्रयास करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह दौरा जूनियर एशिया कप की तैयारी के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और इससे हमें अपनी ताकत तथा सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों का बेहतर आकलन करने का अवसर मिलेगा।

भारतीय जूनियर महिला टीम
गोलकीपर: निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज।
डिफेंडर्स: पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेहपुई, पार्वती टोपनो।
मिडफील्डर: खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, विनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आईद, तनुश्री दिनेश कडू।
फारवर्ड: सुखवीर कौर, शशि खासा, लालरिनुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, काजल, सानिका चंद्रकांत माने, कृष्णा शर्मा।

न्यूज़ ब्रीफ

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : वशिका और शिवा ने जीता रजत, भारत शीर्ष पर बरकरार



नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया। भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया। इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय राष्ट्रफल संघ ने भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा निशानेबाजों का यह प्रदर्शन भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत प्रतिभा को दर्शाता है।

फीफा विश्व कप 2026 : घाना की मजबूत रक्षा के आगे बेबस हुआ इंग्लैंड, खेला गोलरहित ड्रा



मेसाचुसेट्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एल मुकाबले में घाना ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ियों के कई प्रयास घाना की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के सामने नाकाम रहे। हेरी केन और जूड बेलिंगहम की अग्रवार्द में इंग्लैंड ने पूरे मैच में आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन घाना के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल दिखाते हुए कोई मौका नहीं दिया। इस ड्रा के साथ घाना के दो मैचों में चार अंक हो गए हैं और वह केवल बेहतर गोल अंतर के आधार पर इंग्लैंड से पीछे है। इंग्लैंड को मैच जीतने का सबसे बड़ा अवसर निर्धारित समय के अंतिम क्षणों में मिला। स्थानापन्न खिलाड़ी निको ओराइली ने दाएं छोर से आए क्रास पर शानदार हेडर लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर वापस आ गई। इसके बाद मिले मौके पर हेरी केन भी गेंद को गोल में नहीं पहुंचा सके और उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के मुख्य प्रशिक्षक थामस टुखेल ने आक्रामकता बढ़ाने के लिए मार्गन रोजर्स और एबेरेची एजे को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम के खेल में कोई खास बदलाव नहीं आया।

फीफा विश्व कप 2026 : पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से रौंदा रोनाल्डो ने दागे दो गोल

हूस्टन। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपनी टीम को फीफा विश्व कप 2026 में उज्बेकिस्तान पर 5-0 की एकतरफा जीत दिलाई। इस शानदार जीत के साथ पुर्तगाल नाकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मुकाबले के छठे मिनट में गोल कर इतिहास रच दिया। वह विश्व फुटबाल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने छह अलग-अलग विश्व कप अभियानों में गोल करने का कारनामा किया है। उनका यह सफर 2006 विश्व कप से शुरू हुआ था। रोनाल्डो ने गोल करने के बाद अपना प्रसिद्ध 'सियू उत्सव' मनाया और स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों का अभिवादन किया। इसके बाद नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में फ्री किक पर गोल कर पुर्तगाल की बढ़त 2-0 कर दी। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ उनके विश्व कप में कुल 10 गोल हो गए, जो किसी भी पुर्तगाली खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक गोल हैं। उज्बेकिस्तान की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई। इटली की पूर्व विश्व कप विजेता फाबियो कानावारी के मार्गदर्शन में खेल रही टीम पुर्तगाल के आक्रामक खेल का मुकाबला नहीं कर सकी। पहले हाफ में ही पुर्तगाल को चौथा गोल मिला, जब एक कार्नर के दौरान गेंद उज्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुलोखिद नेमातोव से टकराकर गोल में चली गई।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं नेमार, लेकिन खेलना तय नहीं : कोच अंचेलोटी

मियामी ब्राज़ील के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी ने मंगलवार को पुष्टि की है कि स्टार फुटबालर नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। 34 वर्षीय नेमार को लगभग तीन वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। हालांकि पिंडली की चोट के कारण वह अभी तक इस विश्व कप में मैदान पर नहीं उतर सके हैं। मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंचेलोटी ने कहा, नेमार उपलब्ध हैं, क्योंकि उनकी गुणवत्ता टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें करीब से जाना है। उन्होंने चोट से जल्द उबरने के लिए बेहद गंभीरता से मेहनत की है। यदि वह मैदान पर नहीं उतरते हैं, तब भी उनका अनुभव और खेल की समझ युवा खिलाड़ियों की मदद करती है। नेमार के खेलने की संभावित अवधि के बारे में पूछे जाने पर अंचेलोटी ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह 90 मिनट खेल सकते हैं, लेकिन चलते हुए। वह पूरी तरह फिट हैं और उन्होंने शानदार अभ्यास किया है। ब्राज़ील ने अपने पहले दो मुकाबलों में मोरक्को से 1-1 की बराबरी की थी और हैती को 3-0 से हराया था। स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत मिलने पर टीम अंतिम 32 में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी। अंचेलोटी ने कहा, पहला मैच हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, दूसरा उससे बेहतर रहा। हमें विश्वास है कि तीसरा मुकाबला अब तक का सबसे अच्छा होगा। ब्राज़ील को इस मैच में राफिन्हा को कमी भी खलेगी, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। हालांकि अंचेलोटी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि उनका जगह शुरुआती एकादश में कौन खेलेगा। स्कॉटलैंड के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, स्कॉटलैंड एक मजबूत और अनुशासित टीम है। उनके पास अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे संघर्ष करना जानते हैं। विश्व कप में अब कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता, इसलिए हम एक कठिन चुनौती के लिए तैयार हैं। ब्राज़ील की टीम न्यू जर्सी से मियामी पहुंचने में देरी का सामना कर रही थी, जिसके कारण अंचेलोटी का संवाददाता सम्मेलन भी देर से हुआ।



पांड्या के मुम्बई छोड़कर केकेआर या रायल्स जाने की संभावना

मुम्बई। आलराउंडर हार्दिक पांड्या अब इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) या राजस्थान रायल्स से खेलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर और रायल्स ट्रेड डील के जरिये पांड्या को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। मुम्बई को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो टीमों पर प्रस्ताव मिले हैं। माना जा रहा है कि केकेआर प्रबंधन और मुम्बई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को को लेकर कई दौर की बातचीत भी हुई है। आईपीएल के 19 वें सत्र में पांड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिस कारण मुम्बई भी अब उन्हें टीम में बनाये नहीं रखना चाहती। वहीं पिछले दो सत्र से खराब प्रदर्शन से परेशान केकेआर हार्दिक को अपनी टीम में लाने को लेकर सभी प्रयास कर रही है। वह उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी देना चाहती है।, इसका कारण है कि अभी टीम उपकप्तान रिकू सिंह को कप्तानी के लिए सही नहीं मानती। अभी टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे के पास है पर उनके रहते टीम का प्रदर्शन अच्छ नहीं रहा है। केकेआर रहाणे को टीम से रितीज करना चाहती है। केकेआर के अधिकारियों ने पिछले सत्र में भी मुम्बई से संपर्क किया था, पर उस समय रिलायंस की वार्षिक आम बैठक के कारण फ्रैंचाइजी बात नहीं कर पायी थी। वहीं दूसरी ओर, मुम्बई इंडियंस को राजस्थान रायल्स से भी एक प्रस्ताव मिला है, जिसमें पांड्या और यशवीर जायसवाल के बीच ट्रेड-आफ की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत कहां तक पहुंची है। गौरतलब है कि राजस्थान रायल्स रियान पराग को कप्तानी देना चाहते हैं। ऐसे में हार्दिक के लिए वहां रायल्स में कप्तानी हासिल करना कठिन होगा।



सूर्याश ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया



मुम्बई। पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किये गये 23 साल के आलराउंडर सूर्याश शेठों की खुशी का किकना नहीं है। सूर्याश को आलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के कारण आयरलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। सूर्याश को पिछले दो साल में घरेलू क्रिकेट, आईपीएल और भारत ए टीम की ओर से लगातार किये अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। सूर्याश के अनुसार उन्हें अभी भी भरोसा नहीं हो रहा कि वह टीम में शामिल कर लिए गये हैं। इससे उनका बचपन का सपना भी पूरा हो गया है। इस आलराउंडर ने अपनी। सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। साथ ही कहा कि उनके पिता कभी ये संभव नहीं होता। सूर्याश के क्रिकेटर बनने में मां का विशेष योगदान रहा है। उनकी मां एक बैंक में काम करती थीं पर उन्होंने अपने बेटे के क्रिकेट करियर को देखते हुए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। उन्होंने अपना पूरा समय सूर्याश के अभ्यास, मैचों और क्रिकेट से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जरूरत पर लगाया जिससे कि सूर्याश खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। इसी का परिणाम है कि आज सूर्याश भारतीय टीम का हिस्सा है। इसके पूर्व क्रिकेटर जितन परांजपे, मनीष बांगेरा और मोंटी देसाई जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी इस क्रिकेटर की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला टी20 विश्व कप : आस्ट्रेलिया की लगातार चौथी जीत, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

लीड्स एलिस पेरी की शानदार अर्धशतकीय पारी और घातक गेंदबाजी के दम पर आस्ट्रेलिया ने मंगलवार देर रात महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।



पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जबवां में पाकिस्तान की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई। आस्ट्रेलिया की शुरुआत झटके के साथ हुई जब बेथ मूनी बिना खाता खोले आउट हो गईं, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जार्जिया वोल ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए

100 रन की साझेदारी की। पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट शामिल रहे। जार्जिया वोल ने 39 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से नशरा संधू और सादिया इकबाल ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से नहीं रोक सकीं। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। दूसरे भी ओवर में गुल फिरोज रन आउट हो गईं। पाकिस्तान की पारी में कुल तीन बल्लेबाज रन आउट हुए, जिससे टीम कभी मुकाबले में लौट नहीं सकी। मुनीबा अली ने 32 रन और फातिमा सना ने 17 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज

आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। एलिस पेरी ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया और केवल एक ओवर में 9 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। सोफी मोलिन्यू ने 6 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने भी दो सफलताएं हासिल कीं। पाकिस्तान की टीम 86 रन पर ढेर हो गई और आस्ट्रेलिया ने मुकाबला 113 रन से जीत लिया। अब आस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला भारत से होगा, जबकि पाकिस्तान अपनी पहली जीत की तलाश में नीदरलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगा।

सक्षिप्त स्कोर:
आस्ट्रेलिया - 199/7 (20 ओवर)
 एलिस पेरी 71, जार्जिया वोल 39
नशरा संधू 2/33, सादिया इकबाल 2/31
पाकिस्तान - 86 आल आउट (13.4 ओवर)
 मुनीबा अली 32, फातिमा सना 17
 सोफी मोलिन्यू 2/6, एलिस पेरी 2/9
परिणाम: आस्ट्रेलिया 113 रन से विजयी।

विंबलडन 2026 के ऐतिहासिक आगाज के लिए तैयार सिनर और स्विघातेक

जिनेवा विश्व के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन 2026 का आगाज इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेगा। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे।



पिछले वर्ष पुरुष एकल खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सिनर के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सेंटर कोर्ट पर पहला मुकाबला खेलना उनके लिए रोमांचकारी क्षण होगा। उनके अनुभार विंबलडन का वातावरण दुनिया के किसी भी अन्य टेनिस कोर्ट से अलग है और उन्होंने कभी नहीं सोचा था

कि एक दिन चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में वही सेंटर कोर्ट पर उतरेंगे। महिला वर्ग में गत चैंपियन इगा स्विघातेक दूसरे दिन सेंटर कोर्ट पर अभियान की शुरुआत करेंगी। पिछले वर्ष खिताब जीतकर वे विंबलडन महिला एकल चैंपियन बनने वाली पहली पोलािश खिलाड़ी बनी थीं। स्विघातेक ने कहा कि विंबलडन ट्राफी जीतना उनके लिए शब्दों से परे अनुभव था। उन्होंने बताया कि घास के कोर्ट पर अपने खेल को ढालने के लिए उन्होंने लंबे समय तक मेहनत की और आक्रामक खेल शैली अपनाने पर विशेष ध्यान दिया। उनका अनुभव विंबलडन के समृद्ध इतिहास का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। विंबलडन के इतिहास में कई महान खिलाड़ियों ने अपनी कप छोड़ी है। ब्योन बोर्ग, क्रिस एवर्ट, स्टेफन एडजर्ग, पैट राफ्टर और रोजर फेडरर जैसे दिग्गजों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टेनिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

पांच बार लगातार विंबलडन चैंपियन रहे ब्योन बोर्ग ने अपने पहले खिताब की याद ताजा करते हुए कहा कि ग्रस कोर्ट पर सफल होने के लिए उन्हें अपने खेल में बदलाव करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि सही लय और रणनीति मिलने के बाद ही वे इस सतह पर सहज महसूस करने लगे और यही उनकी सफलता का आधार बना। इस बार भी कई युवा सितारे पहली बार विंबलडन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। महिला वर्ग में हाल ही में फ्रेंच ओपन जीतने वाली मीरा आंद्रेएवा, वेलिंडा बेनचिच, कोको गाफ, मारिया सक्कारी और किनवेन झंग प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। पुरुष वर्ग में जोआओ फोन्सेका, डेलर फ्रिडज, बेन शेल्टन और स्टेफानोस सित्सिपास जैसे खिलाड़ी खिताब की दौड़ में नजर आएंगे। 149 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाले विंबलडन में इस बार भी दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें सेंटर कोर्ट पर टिकी रहेंगी, जहां एक बार फिर नए अथिया लिखे जाएंगे।